सत्य और अर्थपूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजय ख्रिस्त

लेमेन्स इवैंजलिकल फैलोशिप इंटरनेशनल, नवम्बर-दिसम्बर 2019

पर्याप्त तेल रखना

मत्ति (25: 4) " परन्तु समझदारों ने अपनी मशालों के साथ अपनी कुप्पियों में तेल भी भर लिया।"

जब कोई आदमी यीशु के पास आता है, तो वह ज्ञान सीखता है। अपने बर्तन में तेल लेना बुद्धिमानी है। जब कोई मसीह का अनुसरण करने के लिए कहता है, तो उसके पास तेल होना चाहिए। यदि कोई तेल नहीं है, तो वह नहीं बढ़ता है, और वह दूसरों को बढ़ने से रोकता है। वह सही रास्ते से मुड़कर हट जाता है। यदि कोई मन-फिराया व्यक्ति फल नहीं लाता है, तो कुछ गलत है। इससे पता चलता है कि मसीह के साथ उनका कोई उचित संबंध नहीं है। परमेश्वर ने फैसला किया कि एक नया स्वर्ग और एक नई पृथ्वी होनी चाहिए। जकर्याह और मलाकी ने भविष्यवाणी की कि मसीहा आएगा लेकिन लोगों ने इसे नहीं माना और इसे अनदेखा कर दिया। यह विश्वास करना एक मूर्खतापूर्ण

पर्याप्त तेल रखना.. पृष्ठ 3 पर

आत्मिक उन्नति के लिए देखना न भूलें।

परमेश्वर की चुनौती

TV - Star Utsav

चैनल पर

*हर **रविवारसुबह 7:30 से 8:00** बजे*

पुर्वाग्रह है? इसे दूर रखो और सुनो!

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग यह मानने के लिए तैयार या विनम्र नहीं हैं कि बाइबल उनके लिए परमेश्वर के प्यार के बारे में क्या कहती है। लोग अनगिनत कॉलेज के प्रोफेसरों और साथियों के शब्दों को नैतिकता पर नई धारणाओं और सिद्धांतों के साथ मानने के लिए तैयार हैं, लेकिन वे परमेश्वर के वचन पर विश्वास करने के लिए तैयार नहीं हैं। आपको इस तरह का रवैया अपनाना चाहिए। विनम्र और बच्चे की तरह रहें और परमेश्वर के पास जाएं और कहें, "परमेश्वर, आपका ज्ञान निश्चित रूप से मेरे लिए बेहतर है।"

यिर्मयाह 31: 3 में हमारे लिए एक महान घोषणा है: "मैं तुझ से सदा प्रेम रखता आया हूँ; इस कारण मैं ने तुझ पर अपनी करुणा बनाए रखी है।" ये शब्द एक विद्रोही लोगों, एक ऐसे लोगों को संबोधित किए गए थे जिन्होंने परमेश्वर के कानून को तोड़ा था। और यहाँ परमेश्वर कहते हैं: "तुम्हारे विद्रोह के बावजूद, मैंने तुम्हें सनातन प्यार किया है।"

दोस्तों, "प्रेम" शब्द आज बहुत गलत इस्तेमाल किया जाता है और इसका अर्थ गलत समझा जाता है। किसी तरह, हम यह नहीं समझते कि प्यार क्या है। एक विकृत लोग जो हम बन गए हैं: हमारे लिए गलत सही है, बेवफाई प्यार है, और हर वाचा को तोड़ने वाले को एक सज्जन कहते हैं। यह परमेश्वर का प्यार नहीं है। बाइबल में आपको उस तरह का प्यार नहीं मिलेगा। आपको किताब में इस तरह का टेढ़ापन नहीं मिलेगा।

न ही आपको संकीर्ण, धार्मिक कट्टरता मिलेगी। परमेश्वर पूरी दुनिया से प्यार करता है और उसने अपने पुत्र, प्रभु यीशु मसीह को इसके लिए दिया है। वह सिर्फ लोगों के एक खास वर्ग से प्यार नहीं करता था। हर जगह लोग पुराने पूर्वाग्रहों के बल पर अवरोध खड़ा कर रहे हैं। हम शिक्षित और सक्षम लोग हैं, लेकिन यहाँ हम अपनी छोटी सी दुनिया को छोटे-छोटे भागों में काट रहे हैं। और हमें एक परमेश्वर से संबंध बनाने के लिए कहा जाता है, जो दुनिया से इतना प्यार करता है कि उसने अपने एकमात्र बेटे को दिया है, जो भी - हर कोई, कोई भी - उस पर विश्वास कर सनातन जीवन पाए। प्रेम!

हम उस शब्द "प्रेम" से नाता नहीं रखते। हम हॉलीवुड के नाले के सामान से नाता रखते हैं। हम व्यभिचार, परस्त्रीगमन, तलाक से नाता रखते हैं। हम किसी और चीज से नाता रखते हैं लेकिन हम प्रेम के परमेश्वर से नाता नहीं रखना चाहते हैं।

परमेश्वर हमें व्यक्तियों के रूप में देखता है। परमेश्वर चाहता है कि हम उससे नाता रखें, और परमेश्वर हम में से प्रत्येक को बहुत स्पष्ट रूप से देखता है। "मैंने तुमसे हमेशा के लिए प्यार किया है;

इसलिए प्यार से मैंने तुम्हें खींचा है।" प्यार! "प्रेम इस में नहीं कि हम ने परमेश्वर ने प्रेम किया; पर इस में है, कि उस ने हम से प्रेम किया; और हमारे पापों के प्रायश्चित्त के लिये अपने पुत्र को भेजा।" (1 यूहन्ना 4:10)।

खैर, हम यीशु से कैसे प्यार करते हैं? हमारा प्यार इतना छोटा है, शायद ही इसके बारे में बोलने लायक है, क्योंकि यह उस पैमाने के लिए स्तर का बिल्कुल भी नहीं है: अगर वह हमसे प्यार करता है और अपने पापों के लिए बलिदान के रूप में अपना जीवन दिया है, तो हमारे प्यार का व्यावहारिक रूप से प्रकट होना चाहिए। आज हम कई ईसाईयों में उस व्यावहारिक कार्य को नहीं देखते हैं। हम केवल बहुत सी बातों को देखते हैं, बहुत सारे बड़बोलेपन को, बहुत शोर को। "यहाँ प्यार है, यह नहीं कि हम परमेश्वर से प्यार करते हैं ...": परमेश्वर के प्रति हमारा प्यार, परमेश्वर के प्यार के अनुपात में नहीं है।

हम सभी कहना पसंद करते हैं, "मैं एक ईसाई हूं और मैं परमेश्वर से प्यार करता हूं और मैं प्रार्थना करता हूं।" लेकिन परमेश्वर क्यों कहते हैं: " प्यार ये है, न कि हम परमेश्वर से प्यार करते हैं ..."? आप में से कुछ लोगों ने सीखा है कि परमेश्वर प्रेम है, परमेश्वर प्रकाश है। आपने पालने के दिनों से सीखा है कि झूठ बोलना गलत है; धोखा, चोरी, अनैतिकता गलत है। आज कितने लोग हैं-कुछ बहुत ही धर्मपरायण और कर्मठ लोग, जाहिर तौर पर- लेकिन गर्व और पूर्वाग्रह की बड़ी दीवारों वाले लोग। इसलिए वे यीशु को नहीं देख सकते। हमें आज गिरजाघर में पाखंडियों का झुंड मिला है जो खुद को ईसाई कहते हैं। ईसाइयों के पाखंड के जवाब में, हम दुनिया के ऐसे लोगों को देखते हैं, जिन्होंने "अज्ञानता" के एक समूह की तरह, खुद को आश्वस्त किया है कि ईसाई धर्म सच नहीं हो सकता है। वे यह निर्णय प्रभु यीशु मसीह की जांच के बिना करते हैं। एक व्यक्ति जो बिना किसी जांच के कुछ भी व्यक्तिगत रूप से, विश्वासपूर्वक और ईमानदारी से तय करता है, वह अज्ञानी है। "मैं नहीं मानता कि यीशु मेरे लिए मर गया। मुझे मत बताना कि परमेश्वर प्रेम है।" कितना दुखद है।

कुरान में परमेश्वर के 96 या 97 गुण बताए गए हैं। फिर भी "प्रेम" उनमें से एक नहीं है। फिर परमेश्वर क्या है? अंग्रेजी कवि शेली की धारणा है कि परमेश्वर अत्याचारी है। उन्होंने लिखा "प्रोमेथियस अनबाउंड" जहां परमेश्वर को अत्याचारी के रूप में दर्शाया गया है। जिस तरह की तस्वीर कुछ लोगों के पास है वह यह है कि परमेश्वर अत्याचारी हैं। परमेश्वर इतना निरंकुश, इतना कुटिल; आप यह नहीं जानते कि वह आपके ऊपर क्या डालेगा, और आप क्या कर सकते हो, केवल उसे पुकार सकते हो और उसके सामने रो सकते हो। नहीं।

बाइबल कहती है, "क्या यह हो सकता है कि कोई माता अपने दूध-मुँहे बच्चे को भूल जाए ....? हां, वह तो भूल सकती है, परन्तु मैं तुझे नहीं भूल सकता।" (यशायाह 49:15)। क्या आपकी माँ कभी आपको भूल गई? मुझे नहीं लगता कि माताएँ ऐसी बनी होती हैं कि वे एक बच्चे को भूल सकती हैं। लेकिन, "हाँ, वे तुम्हें भूल सकते हैं," परमेश्वर कहते हैं, "फिर भी मैं तुम्हें नहीं भूलूंगा।" इसलिए जब आप एक माँ के प्यार को, परमेश्वर के ज्ञान से गुणा करते हैं तो आप परमेश्वर के प्यार को पाते हैं । आप परमेश्वर की सर्वज्ञता, परमेश्वर की सर्वव्यापकता और परमेश्वर की अनंतता के साथ एक माँ का प्यार गुणा करते हैं और फिर आपको परमेश्वर के प्रेम का सही अनुपात मिलेगा।

"जो प्रेम परमेश्वर हम से रखता है, वह इस से प्रगट हुआ, कि परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को जगत में भेजा है, कि हम उसके द्वारा जीवन पाएं।" (1 यूहन्ना 4: 9)। जीवन – "केवल मौजूदगी नहीं"। "अब जो जीवित हूं तो केवल उस विश्वास से जीवित हूं, जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिस ने मुझ से प्रेम किया, और मेरे लिये अपने आप को दे दिया।" (गलातियों 2:20)।

आज हम जिस तरह का जीवन जी रहे हैं, उसे देखिए। हम सबको खर्चे के बिलों ने पकड़ा हुआ है। पैसा, नौकरी, कार, घर-यही हमारी सारी दुनिया है। कैसी दुनिया है! कितनी बदसूरत दुनिया है! अगर वहां परमेश्वर के लिए कोई जगह नहीं है, तो वहां जीने के लिए कोई जगह नहीं है। वह जीने की जगह नहीं है। इसलिए हमने अपने जीवन को इन चार डरावनी, उदास दीवारों से दबा दिया है। हम कटघरे में जी रहे हैं। आप केवल मौजूद हैं और उन चार दीवारों के भीतर रहते हैं और मरते हैं और उन चार दीवारों के भीतर बदबू बन जाते हैं। हमने अपने लिए कैसी दुनिया बनाई है, हम शिक्षित लोगों ने!

"इसमें परमेश्वर का प्यार प्रकट

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532- 2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
CHENNAI : LEF Head Quarter, 9-B, Nungambakkam High Road, Chennai, 600 034, 044-2827 2393
MUMBAI : Beautiful Books, Lal Building, Goa Street, Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-56334763/ 25008840
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

किया गया था ... कि हम उसके माध्यम से जीवित रह सकते हैं।" जीने के लिए, आपको प्यार करने की आवश्यकता है। प्यार के बिना, तुम नहीं जीते। हमने अपने जीवन के हर क्षेत्र में पैसे को इतनी एहमियत दे रखी है कि परमेश्वर निकाल दिया गया है। परमेश्वर का प्रेम खत्म हो गया। अपने पड़ोसी से प्यार करने की प्रेरणा चली गई है। आप केवल मौजूद हैं। परमेश्वर का पुत्र प्रकट हुआ कि तुम प्रेम कर सकते हो, कि तुम जीवित रह सकते हो। लेकिन तुम्हारे लिए, जीवन एक भयंकर बोझ, उदासीन हो गया है। यदि परमेश्वर आपसे प्यार करता है और उसने आपको बचाया है, तो क्या आप दूसरों को उसका प्यार नहीं दिखा सकते हैं?

हम अपने सामान्य स्वार्थ से ऊपर नहीं उठते, और फिर भी हम एक ऐसे परमेश्वर के बारे में बात करते हैं जो लोगों से प्यार करता है और उन्हें बदलता है। क्या यह एक मजाक है जिसे हम खत्म करना चाहते हैं? या क्या हम वास्तविक और दीन होने जा रहे हैं और परमेश्वर के प्यार के माध्यम से जीना शुरू करें?

परमेश्वर के प्रेम के जबरदस्त निहितार्थ हैं। परमेश्वर ने आपको इतनी अच्छी तरह से बनाया है कि आप वास्तव में प्यार के साथ जी सकते हैं। आप वास्तव में प्यार के साथ काम करने के लिए बने हैं। आप वास्तव में परमेश्वर के प्रेम को प्रदर्शित करने के लिए बने हैं - जो कि आपके लिए उनका डिजाइन है। यदि आप उस डिज़ाइन को तोड़ते हैं और दूसरी मोटर लगाते हैं - जैसे कि भौतिकवाद या स्वार्थ-आपका जीवन खाली और निरर्थक होगा। परमेश्वर का प्यार चाहता है कि हमें जीना चाहिए।

"हे प्रियो, जब परमेश्वर ने हम से ऐसा प्रेम किया, तो हम को भी आपस में प्रेम रखना चाहिए। परमेश्वर को कभी किसी ने नहीं देखा; यदि हम आपस में प्रेम रखें, तो परमेश्वर हम में बना रहता है; और उसका प्रेम हम में सिद्ध हो गया है।" (1 यूहन्ना 4: 11-12)।

दूसरों से प्यार कैसे करें "और हम ने देख भी लिया और गवाही देते हैं, कि पिता ने पुत्र को जगत का उद्धारकर्ता करके भेजा है। " (1 यूहन्ना 4:14)। सार, परमेश्वर के प्रेम का व्यावहारिक कार्य, यीशु में प्रकट है, यह आदर्श व्यक्ति जो न केवल परमेश्वर का प्रतीक है, बल्कि परमेश्वरत्व की पूर्णता को चित्रित करता है। यदि ईसा मसीह में चित्रित परमेश्वर की परिपूर्णता आपके द्वारा स्वीकार नहीं की जाती है, तो परमेश्वर आप में निवास नहीं करते हैं। आपके धर्म की पूरी अवधारणा में कुछ गड़बड़ है। यह परमेश्वर का प्यार है और यदि आप इसे स्वीकार नहीं करते हैं, तो आप इस प्यार के बिना अस्तित्व में हैं। "जो कोई यह मान लेता है, कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है: परमेश्वर उस में बना रहता है, और वह परमेश्वर में। और जो प्रेम परमेश्वर हम से रखता है, उस को हम जान गए, और हमें उस की प्रतीति है; परमेश्वर प्रेम है: जो प्रेम में बना रहता है, वह परमेश्वर में बना रहता है; और परमेश्वर उस में बना रहता है।" (1 यूहन्ना 4: 15-16)।

लोगों का एक समूह जंगल की आग देख रहा था। एक पक्षी उन्मादी और उन्मत्त था, एक घोंसले के चारों ओर पंख फड़-फड़ाते मँडरा रहा था जिसमें उसके छोटे-छोटे बच्चे थे। और जल्द ही उस पेड़ में आग लग गई। और इन लोगों को लगा कि चिड़िया उड़ जाएगी। एक महान कार्य के साथ, इस चिड़िया ने अपने पंख फैलाए और बस छोटों पर पंख पसारकर उन्हें ढककर बैठ गया और जल गया। ऐसा ही यीशु मसीह का प्रेम है।

—जोशुआ दानियल

पर्याप्त तेल रखना.. पृष्ठ 1 से

बात है कि पाप राज्य करता है और विजयी रूप से राज्य करता रहेगा। क्या आप विश्वास करेंगे कि प्रकाश की तुलना में अंधकार अधिक शक्तिशाली है? नहीं। जब रोशनी आती है, तो अंधेरा दूर हो जाता है। यीशु ने मृत्यु पर भी विजय पाई।

कुछ पेड़ों को केवल जलाऊ लकड़ी के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। वे फल नहीं लाते। लेकिन मनुष्य को फल देने के उद्देश्य से बनाया जाता है। उसे संपत्ति नहीं जुटानी चाहिए। साम्यवाद पूंजीवाद से बुरी तरह लड़ रहा है। यशायाह (65:17) " क्योंकि देखो, मैं नया आकाश और नई पृथ्वी उत्पन्न करने पर हूं, और पहिली बातें स्मरण न रहेंगी और सोच विचार में भी न आएंगी।," परमेश्वर कहते हैं। उसका वचन प्रबल होगा। परमेश्वर के वचन पर संदेह मत करो। चट्टान के खिलाफ मत दौड़ो। तुम टूट जाओगे। आप अपने लिए कई डिग्री और शीर्षक जुटा सकते हैं और उसके साथ और आत्मा में शून्यता। आपको लगता है कि आप परमेश्वर के वचन पर विश्वास किए बिना अपने जीवन में सफल होंगे? नहीं! जिन लोगों ने मेरी प्रार्थना और युवावस्था में बाइबल के प्रति मेरे प्रेम का मज़ाक उड़ाया, वे अब दुख में हैं। परमेश्वर ने एक नई दुनिया के अस्तित्व में आने की आज्ञा दी है। दुल्हन खुद तैयार हो रही है। तेल तैयार करना आप पर निर्भर है। प्रभु का अनुसरण करने में आपके कितने सहपाठी शामिल हैं? दुल्हे का बुलावा आएगा। उसने नए स्वर्ग और नई पृथ्वी की नींव रखी है। क्या आप चट्टान पर अपने जीवन का निर्माण कर रहे हैं? स्वर्ग का राज्य तुम्हारे भीतर है। इस राज्य के लिए यहां और वहां न देखें। यदि हम विभाजित व्यक्तित्व हैं, तो नरक को हमारे भीतर जगह मिलेगी।

डॉ जॉनसन पढ़े-लिखे आदमी

थे। वह परमेश्वर का आदमी भी था। उन्होंने विश्वास, पवित्रता और ईमानदारी का जीवन जिया। वह अपनी बातचीत में सीधा था। उसके पास लेटने के लिए कोई बिस्तर नहीं था, खुद को गर्म करने के लिए कोई चूल्हा नहीं था। उनके जूते आगे से फटे थे, उनमें से पैर की उंगलियाँ बाहर झाँकती थीं। वह गरीबी से नहीं डरता था। वह इसके बजाय उसका शौकीन लग रहा था। लेकिन हम गरीबी से, कमी से और कुछ खोने से डरते हैं। महापुरुष इन अनुभवों से गुजरे और इससे गुज़रने पर भी कुछ बुरा नहीं निकला। उच्च शिक्षित हलकों में दुष्टता है। जब वे कॉलेज में प्रवेश करते हैं तो छात्रों को परमेश्वर में विश्वास होता है। लेकिन जब तक वे अपनी पढ़ाई पूरी कर लेते हैं और कॉलेज छोड़ देते हैं, तब तक उन्होंने अपना विश्वास खो दिया है और उन्हें कोई शांति नहीं है। शिक्षा हमें खुश नहीं करेगी। यदि हम मसीह को स्वीकार नहीं करते हैं तो हम दुखी होंगे। दुल्हे ने यह शर्त क्यों रखी कि कुंवारी लड़कियों को दीये जलाने चाहिए? क्या हमारे दीये जल रहे हैं? नए दिल, नई पृथ्वी की शुरुआत हैं। नई पवित्रता, शुद्ध जीवन, नया आनंद और शांति और विश्वास! ये स्वर्ग के नए बल हैं जो आपके निस्वार्थ जीवन के माध्यम से जारी किए जाएंगे। दीप जलने का यही अर्थ है। शांति बहाल करता है और फिर से बनाता है। यह नए स्वर्ग और नई पृथ्वी की शुरुआत है ...

पादरी शी चीन में प्रभु के लिए काम कर रहा था। एक बार उनकी एक सभा में दो लोगों में भयंकर झगड़ा हुआ। एक ने दूसरे पर चाकू फेंका और दूसरे आदमी की जांघ काट कर खून बहा दिया गया। आसपास के लोग चाकू फेंकने वाले शख्स को मारना चाहते थे। लेकिन पादरी शी ने खुद को उनके बीच में डाल दिया और ज्ञान के शब्दों को कहते घाव को पट्टी से बांध दिया। शांति बहाल हुई। झगड़े के कारण लोग जल्दी मर जाते हैं। जब मसीह हमारे हृदयों में नहीं है तो जीभ तलवार में बदल जाती है। जब एक परिवार यीशु को जानता है, तो वे परमेश्वर के राज्य का निर्माण करते हैं। वे बच्चों को ऐसे पालते हैं जो दुनिया को जगाते और हिलाते हैं। सुज़ाना और सैमुअल वेस्ले ने जॉन वेस्ले को पाला, जिन्होंने इंग्लैंड को हिला दिया।

दुल्हे का बुलावा आ रहा है! यह हडसन टेलर, जॉन बनियन और जॉन वेस्ले के पास आया।

कुछ ने मन-फिराया है, लेकिन क्या उनके पास तेल है जो उनके दीपक को जला रखेगा? तेल कहाँ से मिलेगा? यीशु के चरणों में। परमेश्वर के वचन पर प्रार्थना करने और ध्यान करने के लिए अकेले वहाँ जाएँ। प्रमुखता की तलाश मत करो। यदि आप परमेश्वर के वचन को मानते हैं, तो आप कहीं भी जाते हैं, आप लोगों पर शांति की सांस फूंक सकते हैं।

एक जगह पर, ईसाई कर्मचारियों ने उच्च वेतन के लिए हड़ताल की, अपने अविश्वास को दिखाने का काम किया। इस तरह दक्षिण भारत में चर्चों ने साम्यवाद (भौतिकवाद) का मार्ग प्रशस्त किया। चर्च आपको एक अनुशासन और हिंदुओं से अधिक कुछ समझ देता है। पर यह पर्याप्त नहीं है। हमें मसीह के पास जाना चाहिए। चट्टान के खिलाफ मत जाओ।

बुलाहट की पुकार जल्द ही सुनाई देगी, "दुल्हा आ रहा है।" क्या आपका विश्वास अंधेरे में चमकता है? मसीह तुम्हारा सबकुछ पाने योग्य हैं। जिन लोगों को उस पर विश्वास है, उनको कोई कमी नहीं होगी। मैंने 19 साल पूरे समय उनकी सेवा की। मुझे कोई कमी नहीं हुई। एकमात्र कमी मुझे यह महसूस होती है कि मेरे पास स्वयं मसीह की परीपूर्णता नहीं है। मुझे उसकी आत्मा अधिक चाहिए। यदि आप और मैं उसकी तरह जीते हैं, तो लोगों को चंगा करने के लिए और हमारे दुश्मनों से प्यार करने के लिए

सत्य की परख!

"पर उस ने तुरन्त [यीशु] ... उन से बातें कीं और कहा; ढाढ़स बान्धो: मैं हूं; डरो मत।"
- (मरकुस 6:50)

जी उठे मसीह की शक्ति हमारे अंदर से चमकेगी। अगर ईसाई खुद को दुल्हे के लिए तैयार नहीं करेंगे, तो परमेश्वर सुंदर सिंह, या ब्राह्मण, या मोहम्मडन जैसे लोगों का ज्योति होने के लिए चयन करेंगे। परमेश्वर चाहता है कि हम उसके विश्वास और शांति से भरे रहें। हमारा जीवन दूसरों में विश्वास पैदा करेगा। मैंने सुंदर सिंह की सभा के लिए एक क्षत्रिय (उच्च जाति हिंदू) सहपाठी को साथ ले गया। उसने मन फिराया और उसका पूरा परिवार मसीह में विश्वास का आनंद ले रहा है। अब वह एक ईमानदार आदमी है। दुल्हा बुला रहा है! क्या आपके दीपक में तेल है?

- एन दानियल

बिली के कंचे (शीशे की गोलियाँ)

एक रविवार को, बच्चे अफ्रीका में एक मिशनरी के लिए उपहार ला रहे थे। बिली ने सुना था कि अन्य लोग अपने सबसे बेशकीमती सामानों में से कुछ का त्याग कर रहे थे और उसने अपने खिलौनों की पेटी को निकाला।

"इन सभी खिलौनों में से मुझे कौन सा सबसे अच्छा लगता है?" खिलौने उठाते हुए बिली ने खुद को पूछा। तब उसने शीशे के कंचों के थैले

को हाथ में लिया --- सभी रंगों के कंचे, रंगीन कांच के गोले, और बड़े आकार के रिबन जैसे पैटर्न के साथ। "आहा," बिली ने कहा, "... मैं उन्हें देना पसंद करूंगा ... क्योंकि यीशु ने मेरे लिए बहुत कुछ किया है। "

बिली का दिल प्यार से भरा था और बलिदान के लिए तैयार था। उनकी माँ ने उसके ऊपर एक नोट लिखा, जिसमें बताया गया कि वे यीशु को बिली का उपहार थे। तब डब्बा पैक किया गया और अफ्रीका की यात्रा शुरू करने के लिए एक जहाज पर सवार किया गया।

इसी दौरान मिशनरी निराशा महसूस कर रहा था। उनका संदेश मूल निवासियों को नहीं भाया। फिर एक दिन उसने सुना कि गाँव का मुखिया उसे बताने के लिए आ रहा है कि वह वहाँ से चला जाए।

तभी अचानक से ये तोहफों का बक्सा इंग्लैंड से आया। फिर वह बिली के बैग और मार्बल के नोट पर आया: "नन्हा बिली आपको अपने शीशे के कंचे भेजना चाहता था," उन्होंने पढ़ा, "क्योंकि वह उसके लिए अपने सभी अन्य खिलौनों से ऊपर बेशकीमती था और यीशु को अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता था।" "अरे, अरे," मिशनरी ने धन्यवाद दिया, " परमेश्वर, मुझे अपने कीमती पत्थर भेजने के लिए नन्हे बिली को आशीर्वाद दिजीए! निश्चित रूप से परमेश्वर नहीं भूले हैं। "

वह क्या था? मिशनरी के छोटे से घर के बाहर किसी के चलने की आवाज़ आई। तब किसी ने दरवाजे पर जोर से खटखटाया - मुखिया। "प्रभु, मेरी मदद करो," मिशनरी ने चुपचाप प्रार्थना की और दरवाजे पर गया। "मैं आपको यह बताने के लिए आया हूँ कि आप मेरे गाँव से बाहर निकलेंगे। हमे तुम्हारी शिक्षा और नहीं चाहिए, " मुखिया ने कहा।, "तुमको इसी वक्त निकलना होगा!"

तभी एक आवाज़ उससे कहने लगी, "उसे छोटे लड़के के कंचे दिखाओ।" तो वह कंचों का थैला ले आया। उन्होंने कहा, " देखो, मुझे आज सुबह बहुत दूर इंग्लैंड से कुछ आया है ।" उस अफ्रीकी ने पहले कभी शीशे के कंचे नहीं देखे थे।

मुखिया ने उन्हें अपनी हथेलियों में घुमाया। "रुको," उसने अचानक कहा। "मैं वापस आऊंगा।" और वह एकदम चला गया। ज्यादा समय नहीं बीता था, उससे पहले मिशनरी के घर में तीस लोग इक्ट्ठे हो गए थे, बिली के कंचों को देखने के लिए सभी उत्सुक थे।

"अब," मिशनरी ने कहा, "मैं आपको इंग्लैंड में रहने वाले छोटे लड़के बिली के बारे में एक कहानी बताता हूं, जो यीशु से इतना प्यार करता था कि वह दूसरों को यीशु को जानने के लिए आने में मदद करने के लिए अपनी सबसे कीमती चीज देना चाहता था।"

पुरुषों ने आँखें फाड़कर उसे सुना। "हमें अपने परमेश्वर के बारे में और बताएं," उन्होंने कहा। तो मिशनरी ने आगे बताया। उसके बाद उन्हें परमेश्वर के बारे में सिखाने का मौका मिला। और जैसा कि लोगों ने सुसमाचार सुना, कि यीशु उनके लिए पीड़ित हुए और उनके पापों के लिए मर गए और तीसरे दिन फिर से उठे और उन सभी को बचाने के लिए जीवित रहे, जिन्होंने अपना भरोसा उनके ऊपर रखा। वे अपनी विधर्मी आराधना को त्याग कर प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर उसकी सेवा करने लगे।

और ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि एक लड़के ने यीशु से इतना प्यार किया कि उसने उसे अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

-चुन लिया

पवित्र एन

"परन्तु जब तू प्रार्थना करे, तो अपनी कोठरी में जा; और द्वार बन्द कर के अपने पिता से जो गुप्त में है प्रार्थना कर; और तब तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे प्रतिफल देगा।" (मत्ती 6: 6)। एक रविवार को बाइबल की इस आयत को सुनने के बाद, युवा एन प्रेस्टन - एक अप्रशिक्षित, अनपढ़ आयरिश लड़की - ने अपने जीवन में पहली बार स्वेच्छा से घुटने टेक दिए और रोने लगी।

रोते हुए, एन को अपने संकट का एक शक्तिशाली रहस्योद्घाटन हुआ। "मैं उन सभी पापों को देखती सामने कुर्सी पर लिखा देखती हूं जो कभी मैंने उस समय से किए थे जब मैं पाँच साल की थी, हर एक को," उसने उस मालकिन को बताया था जिसके लिए वो काम करती थी। नीचे देखते हुए, एन ने पुकारा: "ओह, मैम, सभी से भी बदतर, मैं नरक को मुझे निगलने के लिए तैयार देखती हूं।" अपनी छाती पीटती हताशा में जोर से पुकारने लगी, "हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया कर।", हताशा में वह बार-बार दया के लिए प्रार्थना करती रही।

आधी रात को, एन एकदम उठी: "कोई दया नहीं, परमेश्वर, मेरे लिए?" लेकिन जैसे ही सवाल उसके होंठों से गुजरा, आश्वासन ने उसका दिल भर दिया। एन ने हमेशा कहा कि जैसा कि उसने देखा कि वह कैल्वरी पर उद्धारकर्ता को देखती है, और वहीं समझ गई कि उसका लहू उसके पापों के लिए प्रायश्चित करता है। "मुझे लगा कि मेरे दिल में कुछ जल रहा है," वह बाद में बताती थी, "मैं सुबह होने के लिए तरस रही थी, कि मैं घर जा कर अपने पिता और माँ को बता सकूँ कि प्रभु ने मेरे लिए क्या किया है।"

एन ने बाइबल का नया नियम उठाया, और फिर परमेश्वर के बच्चे के रूप में अपना पहला सरल अनुरोध किया। "हे परमेश्वर," उसने कहा, "आपने इस भयानक बोझ को दूर कर लिया है, जो असहनीय था, क्या आप मुझे इन छोटी चीजों में से एक को पढ़ने में सक्षम नहीं कर सकते?" जहाँ उसके उंगली रखी थी, उसने पढ़ा: "जो कोई यह जल पीएगा वह फिर प्यासा होगा। परन्तु जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूंगा, वह फिर अनन्तकाल तक प्यासा न होगा: वरन जो जल मैं उसे दूंगा, वह उस में एक सोता बन जाएगा जो अनन्त जीवन के लिये उमड़ता रहेगा।" (यूहन्ना 4: 13-14)।

हालाँकि, ईसाई जीवन का एक वर्ग है जिसे परमेश्वर संभव बनाता है और ऐन ने उसे तुरंत नहीं पाया था। यह वह जगह है जहाँ मानव की इच्छा को उसके निर्माता के सामने आत्मसमर्पण कर दिया जाता है, पूरा जीवन पवित्र हो जाता है, और परमेश्वर का पवित्र आत्मा, हमारे आत्मा को भर देता है। वर्षों ने साबित कर दिया कि एन के सामने एक बड़ी लड़ाई थी: एक बेकाबू गुस्सा। वह उस पर रोई, उसे कबूल किया, उसके साथ लड़ी - लेकिन फिर वो उसमें गिर जाती।

एक शाम, एन ने भजन 34 को सुना। आयत 16 ने खुद को उस पर दृढ़ता से प्रभावित किया: "यहोवा बुराई करने वालों के विमुख रहता है, ताकि उनका स्मरण पृथ्वी पर से मिटा डाले।" उसने पाठक से उसके लिए भजन को चिह्नित करने के लिए कहा, अपने कमरे में गई, घुटने टेक दिए। और उस आयत पर प्रकाश डालने के लिए प्रार्थना की। उसने उस जगह पर बाइबल खोली जहाँ पन्ने को मोड़ा हुआ था। "तुम इसे नहीं पढ़ सकती," शैतान ने कहा। "ठीक है, परमेश्वर मुझे दे देंगे," ऐन ने उत्तर दिया। आश्चर्यजनक रूप से, ऐन को बाइबल से भजन को बार-बार पढ़ने में सक्षम किया गया। (तब से, अनपढ़ एन बाइबल पढ़ सकी, हालांकि कोई अन्य पुस्तक नहीं।)

अपने घुटनों पर रहते हुए, एन ने कहा: "परमेश्वर, बुराई क्या है?" जवाब आया: "क्रोध, गुस्सा, द्वेष" और इसी तरह की बातें। रात भर रोई और प्रार्थना की, जब तक उसके भीतर की पापबुद्धिता प्रकट नहीं हुई। सुबह के समय, वह पुकारती है: "हे प्रभु, मुझे कब पता चलेगा कि मुझे कब छुटकारा मिलेगा?" उत्तर आया: "देखो, याकूब तब तक द्वंद करता रहा जब तक उसे जय न मिली।" अपनी सादगी में उसने फिर से पूछा: "जय पाने तक मतलब।" तो जवाब आया, "जो तुम पाने आये हो उसे पाने तक और केवल उसे पाने तक।" उसने फिर पूछा, "और जब मैं इसे प्राप्त करूंगा तो यह मेरे लिए क्या करेगा?" जवाब वापस आया: "यह आपको हमेशा आनन्दित रहने में सक्षम करेगा, लगातार प्रार्थना करने में, और हर चीज़ में परमेश्वरर का धन्यवाद देने में मदद करेगा। आप इस दुनिया की परेशानियों और उन चीजों से ऊपर उठेंगे, जो अब आपको परेशान करती हैं।" एन ने पूरे रूप से पवित्र होने की इच्छा की - शरीर, प्राण और आत्मा। (1 थिस्सलुनीकियों 5:23 देखें)।

अगले दिन, एन ने माँगना जारी रखा, यीशु के वादे को मानते हुए: "माँगो, तो यह तुम्हें दिया जाएगा; तलाश करो तो तुम्हें मिलेगा; खटखटाओ, तो यह तुम्हारे लिए खोला जाएगा।" उसने कहा: "परमेश्वर, मैं पूरी रात दस्तक दे रही हूं। मेरे लिए खोलो! मेरे लिए खोलो! " जवाब आया।

दो घंटे के लिए ऐसा लग रहा था जैसे एन स्वर्ग में प्रवेश कर लिया हो। घर उसकी जय जयकार से भर गया! बाद के वर्षों को लगा जैसे कि वह स्वर्गीय स्थानों में रहती हो। जब एक सुबह एन ने अपने होंठों को सामान्य प्रशंसा के बजाय गूंगा पाया, तो उस पर यह उजागर किया गया कि "धर्मी जन विश्वास से जीएगा" और वह बस परमेश्वर पर भरोसा करती रहे। ऐन ने इन सिद्धांतों को लागू किया और पूर्ण शांति प्राप्त की।

ऐन का जीवन प्रबल प्रार्थना, विश्वास, पवित्रता की शक्ति का साक्षी बन गया; वह 1906 में यीशु के साथ रहने स्वर्ग चली गई।

- हेलेन ई. बिंघम, एन आयरिश सेंट: द लाइफ स्टोरी ऑफ एन प्रेस्टन ("होली एन")

परमेश्वर का वचन

यूहन्ना रचित सुसमाचार

- पवित्र बाइबल

अध्याय 1

1 आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।

2 यही आदि में परमेश्वर के साथ था।

3 सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उस में से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न न हुई।

4 उस में जीवन था; और वह जीवन मुनष्यों की ज्योति थी।

5 और ज्योति अन्धकार में चमकती है; और अन्धकार ने उसे ग्रहण न किया।

6 एक मनुष्य परमेश्वर की ओर से आ उपस्थित हुआ जिस का नाम यूहन्ना था।

7 यह गवाही देने आया, कि ज्योति की गवाही दे, ताकि सब उसके द्वारा विश्वास लाएं।

8 वह आप तो वह ज्योति न था, परन्तु उस ज्योति की गवाही देने के लिये आया था।

9 सच्ची ज्योति जो हर एक मनुष्य को प्रकाशित करती है, जगत में आनेवाली थी।

10 वह जगत में था, और जगत उसके द्वारा उत्पन्न हुआ, और जगत ने उसे नहीं पहिचाना।

11 वह अपने घर आया और उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया।

12 परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं।

13 वे न तो लोहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न हुए हैं।

14 और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हम ने उस की ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा।